## परिशिष्ट सारणी IV.7: रिपोर्टिंग की तारीख के आधार पर विभिन्न बैंकिंग परिचालनों में धोखाधड़ी *(जारी)*

(राशि ₹ करोड़ में)

| परिचालन क्षेत्र | 2004-05 | | 2005-06 | | 2006-07 | | 2007-08 | | 2008-09 | | 2009-10 | | 2010-11 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | **7** | **8** | **9** | **10** | **11** | **12** | **13** | **14** | **15** |
| अग्रिम | 1,564 | 672 | 1,523 | 1,161 | 1,734 | 1,055 | 1,750 | 721 | 1,976 | 1,388 | 2,190 | 1,263 | 2,382 | 2,740 |
| कार्ड/ इंटरनेट | 26 | 3 | 144 | 6 | 491 | 11 | 679 | 15 | 1,036 | 37 | 1,215 | 35 | 763 | 21 |
| नकदी | 75 | 4 | 89 | 16 | 87 | 7 | 99 | 5 | 141 | 36 | 143 | 14 | 154 | 21 |
| चेक/ मांग ड्राफ्ट आदि | 108 | 15 | 110 | 9 | 141 | 10 | 192 | 17 | 234 | 15 | 202 | 17 | 184 | 27 |
| समाशोधन खाते आदि | 20 | 2 | 23 | 4 | 35 | 12 | 30 | 9 | 52 | 45 | 51 | 7 | 34 | 11 |
| जमाराशियां | 374 | 28 | 325 | 28 | 384 | 49 | 458 | 79 | 599 | 66 | 666 | 195 | 790 | 583 |
| विदेशी मुद्रा लेनदेन | 16 | 14 | 10 | 31 | 28 | 7 | 25 | 30 | 15 | 14 | 16 | 28 | 19 | 148 |
| अंतर-शाखा खाते | 31 | 6 | 36 | 7 | 18 | 1 | 22 | 3 | 16 | 5 | 18 | 2 | 10 | 1 |
| अनिवासी खाते | 11 | 2 | 9 | 0 | 17 | 1 | 9 | 4 | 26 | 2 | 13 | 2 | 9 | 2 |
| तुलनपत्रेतर | 6 | 33 | 7 | 25 | 4 | 4 | 6 | 8 | 9 | 22 | 10 | 370 | 10 | 212 |
| अन्य | 204 | 16 | 148 | 29 | 88 | 51 | 97 | 26 | 146 | 39 | 146 | 64 | 179 | 56 |
| **कुल योग** | **2,435** | **795** | **2,424** | **1,315** | **3,027** | **1,208** | **3,367** | **917** | **4,250** | **1,669** | **4,670** | **1,997** | **4,534** | **3,822** |

**टिप्पणियाँ:** 1. ₹ 1 लाख और उससे अधिक की धोखाधड़ी को संदर्भित करता है।

2. बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा दिये गए आंकड़े उनके द्वारा दर्ज संशोधनों के आधार पर परिवर्तन के अधीन हैं।
3. एक वर्ष में रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी, रिपोर्टिंग के वर्ष से कई वर्ष पहले की हो सकती हैं।
4. शामिल राशियां रिपोर्ट की गई राशियां हैं और उपगत हानि की मात्रा को नहीं दर्शाती हैं। वसूली के आधार पर, उपगत हानियां कम हो जाती हैं। इसके अलावा, यह जरूरी नहीं कि ऋण खातों में शामिल पूरी राशि का विचलन हो।
5. भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 27 मार्च 2023 के निर्णय के अनुसार, 30 सितंबर 2025 की स्थिति में 942 धोखाधड़ी मामले जिनकी राशि ₹1,28,031 करोड़ थी, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन न करने के कारण बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा वापस ले लिए गए।
6. 2024-25 से संबंधित डेटा में, पिछले वित्तीय वर्षों से संबंधित और वित्तीय वर्ष 2024-25 में पुनः परीक्षण करने और भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 27 मार्च 2023 के निर्णय के अनुपालन को सुनिश्चित करने के बाद पुनः रिपोर्ट किए गए राशि ₹18,336 करोड़ के 122 मामलों में धोखाधड़ी वर्गीकरण शामिल है।
7. पूर्णांकन के कारण कुल योग घटकों के जोड़ से भिन्न हो सकता है।
8. धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर निदेश दिनांक 15 जुलाई 2024, बैंक केवल उन भुगतान प्रणाली से संबंधित लेनदेन की रिपोर्टिंग कर रहे हैं जिनका निष्कर्ष बैंकों पर की गई धोखाधड़ी के रूप में निकाला गया है।

**स्रोत:** आरबीआई।

## परिशिष्ट सारणी IV.7: रिपोर्टिंग की तारीख के आधार पर विभिन्न बैंकिंग परिचालनों में धोखाधड़ी *(जारी)*

(राशि ₹ करोड़ में)

| परिचालन क्षेत्र | 2011-12 | | 2012-13 | | 2013-14 | | 2014-15 | | 2015-16 | | 2016-17 | | 2017-18 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि |
| **1** | **16** | **17** | **18** | **19** | **20** | **21** | **22** | **23** | **24** | **25** | **26** | **27** | **28** | **29** |
| अग्रिम | 1,953 | 3,552 | 2,087 | 6,530 | 1,977 | 7,885 | 2,244 | 16,652 | 2,111 | 17,051 | 2,306 | 20,120 | 2,513 | 22,276 |
| कार्ड/ इंटरनेट | 629 | 23 | 793 | 49 | 978 | 54 | 845 | 52 | 1,191 | 40 | 1,372 | 42 | 2,058 | 102 |
| नकदी | 173 | 20 | 140 | 23 | 145 | 24 | 153 | 43 | 160 | 22 | 239 | 37 | 218 | 40 |
| चेक/ मांग ड्राफ्ट आदि | 172 | 40 | 141 | 22 | 180 | 19 | 254 | 26 | 234 | 25 | 235 | 40 | 207 | 34 |
| समाशोधन खाते आदि | 38 | 31 | 36 | 7 | 36 | 24 | 29 | 7 | 17 | 87 | 27 | 6 | 37 | 6 |
| जमाराशियां | 857 | 219 | 791 | 291 | 773 | 331 | 875 | 437 | 759 | 809 | 693 | 903 | 691 | 457 |
| विदेशी मुद्रा लेनदेन | 22 | 130 | 10 | 98 | 9 | 144 | 13 | 787 | 16 | 31 | 16 | 2,201 | 9 | 1,426 |
| अंतर-शाखा खाते | 24 | 8 | 6 | 3 | 7 | 1 | 4 | 0 | 4 | 10 | 1 | 0 | 6 | 1 |
| अनिवासी खाते | 11 | 3 | 17 | 3 | 38 | 10 | 23 | 8 | 8 | 9 | 10 | 3 | 6 | 6 |
| तुलनपत्रेतर | 5 | 373 | 18 | 1,527 | 15 | 1,088 | 10 | 699 | 4 | 132 | 5 | 63 | 20 | 16,288 |
| अन्य | 207 | 98 | 197 | 112 | 135 | 64 | 179 | 162 | 176 | 146 | 153 | 77 | 138 | 242 |
| **कुल योग** | **4,091** | **4,497** | **4,236** | **8,665** | **4,293** | **9,644** | **4,629** | **18,873** | **4,680** | **18,362** | **5,057** | **23,492** | **5,903** | **40,877** |

**टिप्पणियाँ:** 1. ₹ 1 लाख और उससे अधिक की धोखाधड़ी को संदर्भित करता है।

2. बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा दिये गए आंकड़े उनके द्वारा दर्ज संशोधनों के आधार पर परिवर्तन के अधीन हैं।
3. एक वर्ष में रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी, रिपोर्टिंग के वर्ष से कई वर्ष पहले की हो सकती हैं।
4. शामिल राशियां रिपोर्ट की गई राशियां हैं और उपगत हानि की मात्रा को नहीं दर्शाती हैं। वसूली के आधार पर, उपगत हानियां कम हो जाती हैं। इसके अलावा, यह जरूरी नहीं कि ऋण खातों में शामिल पूरी राशि का विचलन हो।
5. भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 27 मार्च 2023 के निर्णय के अनुसार, 30 सितंबर 2025 की स्थिति में 942 धोखाधड़ी मामले जिनकी राशि ₹1,28,031 करोड़ थी, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन न करने के कारण बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा वापस ले लिए गए।
6. 2024-25 से संबंधित डेटा में, पिछले वित्तीय वर्षों से संबंधित और वित्तीय वर्ष 2024-25 में पुनः परीक्षण करने और भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 27 मार्च 2023 के निर्णय के अनुपालन को सुनिश्चित करने के बाद पुनः रिपोर्ट किए गए राशि ₹18,336 करोड़ के 122 मामलों में धोखाधड़ी वर्गीकरण शामिल है।
7. पूर्णांकन के कारण कुल योग घटकों के जोड़ से भिन्न हो सकता है।
8. धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर निदेश दिनांक 15 जुलाई 2024, बैंक केवल उन भुगतान प्रणाली से संबंधित लेनदेन की रिपोर्टिंग कर रहे हैं जिनका निष्कर्ष बैंकों पर की गई धोखाधड़ी के रूप में निकाला गया है।

**स्रोत:** आरबीआई।

## परिशिष्ट सारणी IV.7: रिपोर्टिंग की तारीख के आधार पर विभिन्न बैंकिंग परिचालनों में धोखाधड़ी *(समाप्त)*

(राशि ₹ करोड़ में)

| परिचालन क्षेत्र | 2018-19 | | 2019-20 | | 2020-21 | | 2021-22 | | 2022-23 | | 2023-24 | | 2024-25 | | 2025-26 (सितंबर 2025 तक) | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि | संख्या | राशि |
| **1** | **30** | **31** | **32** | **33** | **34** | **35** | **36** | **37** | **38** | **39** | **40** | **41** | **42** | **43** | **44** | **45** |
| अग्रिम | 3,520 | 51,299 | 4,384 | 1,50,865 | 3,276 | 1,02,759 | 3,677 | 34,532 | 3,989 | 15,065 | 4,113 | 9,160 | 7,934 | 31,911 | 4,255 | 17,501 |
| कार्ड/ इंटरनेट | 1,866 | 71 | 2,677 | 129 | 2,545 | 119 | 3,596 | 155 | 6,699 | 277 | 29,080 | 1,457 | 13,469 | 520 | 195 | 14 |
| नकदी | 272 | 56 | 371 | 63 | 329 | 39 | 649 | 93 | 1,485 | 159 | 484 | 78 | 306 | 39 | 116 | 27 |
| चेक/ मांग ड्राफ्ट आदि | 189 | 34 | 201 | 39 | 163 | 84 | 201 | 158 | 118 | 25 | 127 | 42 | 122 | 74 | 51 | 8 |
| समाशोधन खाते आदि | 24 | 209 | 22 | 7 | 14 | 4 | 16 | 1 | 18 | 3 | 17 | 2 | 6 | 2 | 2 | 6 |
| जमाराशियां | 593 | 148 | 530 | 616 | 502 | 403 | 471 | 493 | 652 | 259 | 2,002 | 240 | 1,207 | 521 | 222 | 131 |
| विदेशी मुद्रा लेनदेन | 13 | 695 | 8 | 54 | 4 | 129 | 7 | 7 | 13 | 12 | 19 | 38 | 23 | 16 | 21 | 124 |
| अंतर-शाखा खाते | 3 | 0 | 2 | 0 | 2 | 0 | 3 | 2 | 3 | 0 | 29 | 10 | 14 | 26 | 19 | 19 |
| अनिवासी खाते | 3 | 0 | 8 | 1 | 1 | 0 | 1 | 2 | 2 | 1 | 6 | 2 | 1 | 1 | - | - |
| तुलनपत्रेतर | 26 | 5,214 | 25 | 2,149 | 22 | 520 | 21 | 1,077 | 13 | 280 | 10 | 199 | 8 | 270 | 3 | 1 |
| अन्य | 197 | 244 | 242 | 172 | 277 | 54 | 299 | 98 | 470 | 421 | 165 | 33 | 789 | 1,391 | 208 | 3,684 |
| **कुल योग** | **6,706** | **57,970** | **8,470** | **1,54,096** | **7,135** | **1,04,111** | **8,941** | **36,617** | **13,462** | **16,502** | **36,052** | **11,261** | **23,879** | **34,771** | **5,092** | **21,515** |

**:-** शन्य।

**टिप्पणियाँ:** 1. ₹ 1 लाख और उससे अधिक की धोखाधड़ी को संदर्भित करता है।

2. बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा दिये गए आंकड़े उनके द्वारा दर्ज संशोधनों के आधार पर परिवर्तन के अधीन हैं।
3. एक वर्ष में रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी, रिपोर्टिंग के वर्ष से कई वर्ष पहले की हो सकती हैं।
4. शामिल राशियां रिपोर्ट की गई राशियां हैं और उपगत हानि की मात्रा को नहीं दर्शाती हैं। वसूली के आधार पर, उपगत हानियां कम हो जाती हैं। इसके अलावा, यह जरूरी नहीं कि ऋण खातों में शामिल पूरी राशि का विचलन हो।
5. भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 27 मार्च 2023 के निर्णय के अनुसार, 30 सितंबर 2025 की स्थिति में 942 धोखाधड़ी मामले जिनकी राशि ₹1,28,031 करोड़ थी, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन न करने के कारण बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा वापस ले लिए गए।
6. 2024-25 से संबंधित डेटा में, पिछले वित्तीय वर्षों से संबंधित और वित्तीय वर्ष 2024-25 में पुनः परीक्षण करने और भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 27 मार्च 2023 के निर्णय के अनुपालन को सुनिश्चित करने के बाद पुनः रिपोर्ट किए गए राशि ₹18,336 करोड़ के 122 मामलों में धोखाधड़ी वर्गीकरण शामिल है।
7. पूर्णांकन के कारण कुल योग घटकों के जोड़ से भिन्न हो सकता है।
8. धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर निदेश दिनांक 15 जुलाई 2024, बैंक केवल उन भुगतान प्रणाली से संबंधित लेनदेन की रिपोर्टिंग कर रहे हैं जिनका निष्कर्ष बैंकों पर की गई धोखाधड़ी के रूप में निकाला गया है।

**स्रोत:** आरबीआई।